सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

वर्ष : 14 | अंक : 161 | सितम्बर : 2023

इस अंक में...

7 सम्पादकीय

8 समसामयिकी घटना संग्रह

9 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

18 आर्थिक घटना संग्रह

- विश्व बैंक द्वारा अर्थव्यवस्थाओं का नया वर्गीकरण
- नीति आयोग के निर्यात तैयारी सूचकांक में तमिलनाडु शीर्ष पर
- डिजिटल व्यापार सुविधा देने के प्रयास में भारत सबसे आगे
- शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह ₹ 4·75 लाख करोड़ हुआ

22 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- भारत ने पहली क्षेत्रीय AI न्यूज एंकर 'लिसा' का अनावरण किया
- बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2023 जारी किया गया
- प्रधानमंत्री ने वाराणसी में 29 परियोजनाओं का अनावरण किया

27 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- पेंटागन को पीछे छोड़ भारत में बना दुनिया का सबसे बड़ा कार्यालय भवन
- मोदी की संयुक्त अरब अमीरात यात्रा
- भारत ग्लोबल क्राइसिस रिस्पांस ग्रुप में शामिल हुआ

30 खेल खिलाड़ी

- स्टुअर्ट ब्रॉड बने टेस्ट क्रिकेट में 600 विकेट लेने वाले इंगलैण्ड के दूसरे तेज गेंदबाज
- विराट कोहली बने अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 5वें खिलाड़ी

33 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

36 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

38 **अंतरिक्ष विज्ञान लेख**—भयानक तबाही मचा सकते हैं कुछ क्षुद्रग्रह

39 **साइबर अपराध लेख**—साइबर सुरक्षा के लिए सहभागिता और सहयोग जरूरी

40 **मानवाधिकार उल्लंघन लेख**—संयुक्त राष्ट्र की युद्ध शरणार्थी रिपोर्ट

42 **सामयिक लेख**—संसद के नए भवन और इसमें न्यायदण्ड की स्थापना

43 **कृषि लेख**—जैव उर्वरकों का मानकीकरण एवं उपयोगिता

विविध/सामान्य

77 **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**

79 **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-158 का परिणाम**

81 **रोजगार अवसर**

हल प्रश्न-पत्र

45 एस.एस.सी. केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल कॉंस्टेबिल (जनरल ड्यूटी) भर्ती परीक्षा, 2022

53 एस.एस.सी. संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) लेवल परीक्षा, 2022

मॉडल हल प्रश्न

61 आगामी आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित बैंक लिपिकीय संवर्ग परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

71 आगामी मध्य प्रदेश में समूह-2 समूह-1 के अन्तर्गत ग्रामीण उद्यान विकास अधिकारी एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी (कार्यपालिक) व अन्य समकक्ष पदों की भर्ती परीक्षा-2023 हेतु विशेष हल प्रश्न

संस्थापक सम्पादक : स्व. श्री महेन्द्र जैन | सम्पादक : राहुल जैन | रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2

ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

- सम्पादकीय ऑफिस : 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, **आगरा**–282 005 — **फोन**–2531101, 2530966
- दिल्ली ऑफिस : 4845, अंसारी रोड, दरियागंज, **नई दिल्ली**–110 002 — **फोन**–011-23251844, 43259035
- पटना ऑफिस : पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, **पटना**–800 004 — **मो**–09334137572
- हैदराबाद ऑफिस : 16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (यूनियन बैंक के बगल में), **हैदराबाद**–500 036 (तेलंगाना) — **मो**–09391487283
- हल्द्वानी ऑफिस : 8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, **हल्द्वानी**, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड) — **मो**–07060421008

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

सम्पादकीय

कर्म ही जीवन है

"Your beliefs become your thoughts.
Your thoughts become your words.
Your words become your actions.
Your actions become your habits.
Your habits become your values.
Your values become your destiny."

—Mahatma Gandhi

कर्म ही जीवन है और कर्म ही पूजा है. क्रियाशीलता प्रकृति का गुण है. निरन्तर गति से प्रवाहित सरिताओं का जल जीवन युक्त होता है, इसके विपरीत जिस जल में प्रवाह नहीं होता है, वह सड़कर दुर्गन्धित हो उठता है. अतः गति ही जीवन है, स्थिरता मृत्यु का पर्याय है.

जो शक्ति पृथ्वी को धारण किए हुए है, वह है क्रियाशीलता. यदि पृथ्वी सूर्य के गिर्द न घूमे, तो वह गिर पड़ेगी. इसी प्रकार यदि हम अपनी क्रियाशीलता, परिश्रमशीलता त्याग दें, तो जीवन सफर में अवरोध उत्पन्न हो जाएगा. जीवन में क्रियाशीलता ही सब कुछ है.

जैसे भोजन तथा वायु के बिना जीवन असम्भव है वैसे ही बिना श्रम के जीवन नीरस और शिथिल हो जाता है. प्रकृति श्रम की पुजारिन है वह उन्हीं पशु-पक्षियों, जलचर, नभचर इत्यादि को विकसित करती है, जो लगातार परिश्रम करने के अभ्यस्त हैं.

प्राकृतिक प्रणाली में शरीर की सफाई, पुनः निर्माण और विकास के लिए भी क्रिया-शीलता एक आवश्यक तत्व है. क्रियाशीलता यौवन को स्थिर रखती है. अतः क्रियाशील रहकर अक्षय यौवन का आनन्द लेना चाहिए.

जीवन में जो जितना अधिक क्रियाशील होता है, उतना ही स्वस्थ, समर्थ, सुडोल और समृद्ध होता है. कहते हैं जल में लुढ़कते रहने वाले पत्थर को कभी काई नहीं लगती है.

उच्च कोटि का लोहा भी निष्क्रिय रहने से जंग लग कर नष्ट हो जाता है. यही नियम मानव जीवन के साथ भी लगता है. यदि हम अपनी शक्तियों का सदुपयोग करते रहेंगे, तो मन के दुर्विकार, कूड़ा-करकट, मैल, दुर्गन्ध, सड़न, अव्यवस्था, आलस्य और दरिद्रता नष्ट हो जाएगी. अतः जंग लगकर समाप्त होने से कहीं अच्छा है, उपयोग में आकर खत्म होना.

गीता में कर्म को भाग्य से अधिक फलदायक माना गया है. कर्म भाग्य से बड़ा है, क्योंकि वह भाग्य का विधाता है. शास्त्र कहते हैं पूरा आराम तो स्वर्ग में है पृथ्वी पर तो कड़ी मेहनत ही है. कर्म ही हर समस्या का सर्वोत्तम हल है. जीवन में सदैव एक सूत्र स्मरण रहे—कर्म + कर्म + कर्म = सफलता.

यदि जीवन से प्रेम है, तो अपने समय को नष्ट मत करो, क्योंकि जीवन उसी से बना है, जो वर्तमान की उपेक्षा करता है वह अपना सब कुछ खो देता है. अतः आज में जीना सीखें.